प्रदर्शन

दे धक्का आंदोलन के साथ बहुजन मुक्ति पार्टी का चरणबद्ध आंदोलन आयोजित

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों का किया विरोध

विभिन्न मांगों को लेकर होगा अब जेल भरो आंदोलन

नवभारत, बालाघाट। रविवार 31 मई को कलेक्ट्रेट कार्यालय परिसर स्थित मुख्य द्वार पर एक अनोखा प्रदर्शन देखने को मिला। जहां बहुजन मुक्ति पार्टी द्वारा पेट्रोल डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों सहित महंगाई के खिलाफ किए गए एक दिवसीय धरना प्रदर्शन में वाहनों को धक्का देकर, विरोध किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियो ने ना सिर्फ पेट्रोल-डीजल ,रसोई गैस के बढ़ते दाम व लगातार बढ़ती जा रही मंहगाई के खिलाफ आंदोलन किया बल्कि बेरोजगारी, स्मार्ट मीटर, ईवीएम मशीन बैन सहित वर्षो से लंबित अपनी विभिन्न मांगों को लेकर भी अपनी आवाज बुलंद की ।इस अनोखे प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने पहले तो सड़क से गुजरने वालो वाहनों को धक्का देकर महंगाई का पुरजोर विरोध किया ।वही अपनी अन्य मांगो को लेकर जमकर नारेबाजी करते हुए,धरना प्रदर्शन कर एक ज्ञापन भी सौपा है ।जिसमे उन्होंने उनकी सभी मांगो को यथाशीघ्र पूरी कराए जाने की गुहार लगाते हुए, मांग पूरी ना होने पर अब जेल भरो आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

इसके पूर्व, कलेक्ट्रेट परिसर में चूल्हा जलाकर बनाई थी चाय रोटी

आपको बताएं की बहुजन मुक्ति पार्टी द्वारा इसके पूर्व पहले चरण में 12 मई मंगलवार को लालटेन जलाओ आंदोलन किया गया था। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने अंबेडकर चौक में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर, जमकर नारेबाजी की थी तो वही प्रशासन को लालटेन भेंट कर अपना विरोध जताया था। तो वही बुधवार 20 मई को कलेक्टर गेट के सामने चूल्हा जलाकर चाय रोटी बनाकर चरणबद्ध आंदोलन के तहत गैस के बढ़ते दामो को लेकर पुन: अपना विरोध जताया था। तो वही आज तीसरे व अंतिम चरण के तहत सड़क से गुजरने वाले वाहनों को धक्का देकर पेट्रोल डीजल की बढ़ती हुई कीमतों का विरोध किया है जहां दे धक्का आंदोलन के साथ बहुजन मुक्ति पार्टी द्वारा किया जा रहा चरणबद्ध आंदोलन आज संपन्न हुआ। इसके उपरांत प्रदर्शनकारियों ने अब अपनी इन्हीं मांगों को लेकर जेल भरो आंदोलन करने की रणनीति बनाई है ।आयोजित इस धरना प्रदर्शन में बहुजन मुक्ति पार्टी जिला अध्यक्ष इंजी.हीरालाल भगत, लोकसभा प्रभारी सदाशिव हरिनखेडे, राष्ट्रीय आदिवासी एकता परिषद के जिलाध्यक्ष सुशील कुशराम,उपाध्यक्ष केवलसिंह उईके, राष्ट्रीय मूलनिवासी महिला प्रकोष्ठ,संभागीय प्रभारी नर्मदा नागवंशी,भारत मुक्ति मोर्चा के जिला प्रभारी रामदास ठवकर, कार्यकारी जिला अध्यक्ष विकास खांडेकर,भारत मुक्ति मोर्चा कार्यकारी जिला अध्यक्ष विमल कुमार, ज्ञानदास जगने, भागचंद गौतम, सविता उइके,गीता बाई मेश्राम, भागवंती बाई डाहरे, विघा बाई बोरकर, वंदना मेश्राम, पूर्णिमा वानखेड़े, पुना बोरकर, और वच्छ्ला बाई इंगेले, सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

3 चरणों में किया गया आंदोलन

पेट्रोल डीजल और रसोई गैस के दामों में लगातार हो रही बेहताशा वृद्धि, स्मार्ट मीटर पर रोक और ईव्हीएम हटाने सहित अपनी 15 सूत्रीय मांगों को लेकर बहुजन मुक्ति पार्टी द्वारा चरणबद्ध आंदोलन की शुरुआत की गई थी। इसके पहले चरण के तहत 12 मई मंगलवार को बहुजन मुक्ति पार्टी के पदाधिकारियो द्वारा नगर के अंबेडकर चौक में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई थी।

जहां उन्होंने पेट्रोल डीजल सहित रसोई का गैस के दाम को आधे करने, जीएसटी सहित अन्य लगने वाले टैक्सों को हटाने, सभी चुनाव में ईव्हीएम को बैन करने, और स्मार्ट मीटर हटाकर पूर्व की भांति पारदर्शी मीटर लगाए जाने सहित अन्य मांगों को पूरा किए जाने की गुहार लगाई थी। जहा पार्टी द्वारा अपनी प्रमुख 15 सूत्रीय मांगों को लेकर डिप्टी कलेक्टर श्री कौरव को ज्ञापन सौंपकर, स्मार्ट मीटर के विरोध में लालटेन भेंट कर समस्त मांगे जल्द से जल्द पूरी कराए जाने की गुहार लगाई थी, जिसके दूसरे चरण के तहत 20 मई बुधवार को कलेक्ट्रेट गेट के सामने चूल्हा जलाओ आंदोलन कर चूल्हे में चाय-रोटी बनाकर इसका विरोध किया गया था ।जिन्होंने आंदोलन के तीसरे चरण के तहत 31 मई रविवार को रैली निकालकर , दे धक्का आंदोलन कर, पेट्रोल डीजल के दाम का विरोध जताया है ।इन तीनों चरणों के बाद भी मांग पूरी न होने पर उन्होंने प्रदेश संगठन के आह्वान पर सड़कों पर उतरकर बड़ा आंदोलन कर जेल भरो आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

इन मांगों को पूरा करने की लगाई गुहार

उक्त धरना प्रदर्शन के माध्यम से प्रदर्शनकारियो द्वारा स्मार्ट मीटर की जगह पूर्व की भांति पारदर्शी मीटर लगाए जाने, विद्युत सप्लाई के बगैर स्मार्ट मीटर द्वारा उपभोक्ता के ऊपर जो बिजली बिल थोपा गया है उस बिल का पैसा उपभोक्ताओं को वापस करने,स्मार्ट मीटर के माध्यम से जनता का आर्थिक नुकसान व शोषण किया गया है, इसीलिए स्मार्ट मीटर प्रोजेक्ट को अप्रूवल करने वाले चेयरमैन एवं केबिनेट के जिम्मेदारो पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने, घरेलू गैस 400रु में और कमर्शियल गैस 700रु में उसे भुगतान को उपलब्ध कराने ,घरेलू एवं कमर्शियल गैस की कालाबाजारी पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने, एजेंसी और एजेंटों के ऊपर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने, कमर्शियल गैस की आपूर्ति ना के कारण होटल ढाबा एवं रेस्टोरेंट बंद थे,जिससे संबंधित होटल ढाबा एंड रेस्टोरेंट मालिकों को आर्थिक नुकसान पहुंचा है उसकी भरपाई करने, वर्षो से इन जगहों पर काम करने वाले श्रमिकों व मालिको को जो नुकसान पहुँचा है उसका मुआवजा दिए जाने और लगातार बढ़ती जा रही पेट्रोल डीजल की कीमतों को आधा किए जाने, ईव्हीएम पर बैन लगाने सहित अन्य मांगों को पूरा किए जाने की गुहार लगाई गई है।

महंगाई इतनी बढ़ गई है कि पेट्रोल-डीजल भरना हो गया है दुश्वार

बहुजन मुक्ति पार्टी, लोकसभा प्रभारी सदाशिव हरिनखेडे,और राष्ट्रीय मूलनिवासी महिला प्रकोष्ठ, संभागीय प्रभारी नर्मदा नागवंशी अपने संयुक्त रूप से बताया आज तीसरे चरण में दे धक्का आंदोलन कर पेट्रोल डीजल की बढ़ती कीमतों का विरोध किया है इसके साथ ही आज हमारा तीसरा चरणबध्द आंदोलन पूरा हो गया है अब संगठन के निर्देशन पर आक्रोश रैली व जेल भरो आंदोलन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि सरकार, अमीरों की मंशारूप काम कर रही है छोटे तबके के लोगों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है और उनके ऊपर लगातार अत्याचार अन्याय किया जा रहा है भारत सरकार की विदेश नीति ठीक नहीं है इसीलिए जनता परेशान हो चुकी है यहां तक की गाड़ी में पेट्रोल डीजल भरना भी अब दुश्वार हो रहा है इसी को लेकर आज यहां धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन सोपा गया है पूरी नहीं की जाती तो फिर संगठन के बैनर तले प्रदेश संगठन के आह्वान पर आंकड़ों पर रैली निकाल कर जेल भरो आंदोलन किया जाएगा।

मैगनीज ओर इंडिया लिमिटेड द्वारा विगत तीन वर्षों से रोके गए भुगतान के कारण हो रही आर्थिक समस्या

नवभारत, बालाघाट। फर्म ओम अर्हम इंफ्राकॉन, बालाघाट द्वारा मैंगनीज ओर इंडिया लिमिटेड की डोंगरी बुजुर्ग एवं चिखला माइंस, जो कि तुमसर, जिला भंडारा, महाराष्ट्र के निकट स्थित हैं, के लिए वर्ष 2021 से 2023 की अवधि के दौरान दो वर्षों तक ट्रांसपोर्टिंग, रेलिंग एवं डिस्पैच का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किया गया है। उक्त कार्य का कार्यपूर्णता प्रमाण-पत्र भी मैंगनीज ओर इंडिया लिमिटेड, नागपुर द्वारा हमें विधिवत प्रदान किया जा चुका है।

कंपनी के बिल वेंडर पोर्टल पर हमारा अंतिम देयक एवं जमा तीन प्रतिशत सुरक्षा निधि की राशि अपलोड होने के उपरांत भी आज दिनांक तक हमें भुगतान प्राप्त नहीं हुआ है। ज्ञात हो कि कंपनी के भीतर चल रहे आपसी विवाद से मैग्नीज ओर इंडिया लिमिटेड का कोई सरोकार नहीं है ये भागीदारों की आपसी न्यायालयीन प्रक्रिया है और कंपनी को कार्य का भुगतान कंपनी को किया जाना है न कि किसी साझेदार को फिर भी संबंधति अधिकारियों द्वारा भुगतान प्रकिया में अड़ियल रवैया अपना कर रोक लगा कर परेशान किया जा रहा है हमारी फर्म ओम अर्हम इंफ्राकन द्वारा कानून सम्मत सभी दस्तावेज माइल को जमा किए जा चुके है फिर भी बिना किसी उचित कारण के हमारा भुगतान अभी तक नहीं किया गया। इस अनुचित विलंब के कारण हमारी कंपनी को गंभीर आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और हमारा व्यवसाय भी पूर्णत: संकट में आ गया है।

इस फर्म के सहयोगी पार्टनर श्री पंकज जैन को लीगल ओपिनियन लेकर जवाब दिया जा चुका है ।ये कहना है मैंगनीज़ ओर इंडिया लिमिटेड नागपुर के अधिकारी श्री चंद्राकर जी का।

वन्यप्राणी शिकार का प्रयास विफल, 5 गिरफ्तार

तिरोड़ी वन क्षेत्र के हीरापुर बीट का मामला

नवभारत कटंगी 31 मई। वन परिक्षेत्र कटंगी (सामान्य) अंतर्गत तिरोड़ी वृत्त के हीरापुर बीट वन कक्ष क्रमांक पी 771 में 29 मई को ग्राम महडुली के 5 लोगों द्वारा लकड़ी की खूटियों की सहायता से वन्यप्राणी के शिकार हेतु जाल लगाया गया था। वन विभाग की टीम ने तत्परता दिखाते हुए आरोपियों को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में राजकुमार, बुल्ला, शिवभुवन, योगेन्द्र और संतोष राउत शामिल है।

सभी आरोपी ग्राम महडुली के निवासी हैं। वन विभाग द्वारा उक्त आरोपियों के विरुद्ध वन अपराध पंजीबद्ध कर तत्पश्चात न्यायालय वारासिवनी में पेश किया गया। अपराध की गंभीरता को देखते हुए यायालय द्वारा सभी आरोपियों को जेल भेजा गया है।

उच्च अधिकारियों के मार्गदर्शन में हुई कार्रवाई

यह संपूर्ण कार्रवाई मुख्य वन संरक्षक वन वृत्त बालाघाट श्री गौरव चौधरी के मार्गदर्शन में, दक्षिण सामान्य वनमंडल के वनमंडलाधिकारी नित्यानंद एलएल एवं जितेन्द्र कुमार उपवनमंडलाधिकारी कटंगी के निर्देशन तथा वन परिक्षेत्र अधिकारी कटंगी (सामान्य) बबुबाल चढ़ार के नेतृत्व में की गई। वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि वन्यप्राणी शिकार जैसे अपराधों पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है और आगे भी ऐसी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

विधायक की कटंगी क्षेत्र को एक और बड़ी सौगात

ग्राम वरुड़ में दो प्रमुख मार्गों का गौरव सिंह पारधी ने किया भूमिपूजन

नवभारत कटंगी 31 मई। कटंगी-खैरलांजी विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण अंचल में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और सड़कों के सुदृढ़ीकरण की दिशा में क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी के प्रयासों से एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ी है।

विधायक पारधी की विशेष पहल पर लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत लगभग 3.5 करोड़ रुपये की लागत से दो प्रमुख पक्के मार्गों की प्रशासनिक स्वीकृति मिली है। इन दोनों स्वीकृत कार्यों का शनिवार को विधायक गौरव सिंह पारधी ने क्षेत्र के वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में विधि-विधान के साथ भूमिपूजन किया, जिससे क्षेत्र में विकास कार्यों को एक नई गति मिली है।

3 .5 करोड़ से चमकेगी क्षेत्र की सड़कें

ग्रामीण अंचल में आवागमन को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए शासन स्तर से इस बड़े बजट की स्वीकृति मिली है। इस सौगात के अंतर्गत दो महत्वपूर्ण पक्की सड़कों का निर्माण किया जाएगा। इसमें 166.78 लाख की लागत से बनने वाला 1.90 किमी लंबा वरुड़ से सिरपुर मार्ग तथा 183.00 लाख की लागत से बनने वाला 2.30 किमी लंबा वरुड़ से टेकाड़ी मार्ग शामिल है।

हर ग्राम को बेहतर कनेक्टिविटी देना प्राथमिकता : पारधी

इस अवसर पर क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए विधायक श्री गौरव सिंह पारधी ने कहा कि क्षेत्र का सर्वांगीण विकास और हर गाँव को मुख्य व बेहतर सड़कों से जोड़ना ही हमारी पहली प्राथमिकता है। क्षेत्र को इतनी बड़ी सौगात मिलने पर विधायक पारधी ने विकासोन्मुखी सोच के लिए प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी एवं लोक निर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह जी का हृदय से आभार और धन्यवाद व्यक्त किया।

ज्येष्ठ एकादशी पर परसवाडा में राहगीरों को पिलाया गया मीठा एवं शीतल पेय

नवभारत, परसवाडा। ज्येष्ठ माह की एकादशी के पावन अवसर पर परसवाडा के मुख्य मार्ग पर सामाजिक सेवा का सराहनीय आयोजन किया गया। हरियाणा के रहने वाले रोहत डागर ने अपने साथियों के साथ मिलकर राहगीरों के लिए मीठे एवं शीतल पेय वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में आने-जाने वाले लोगों को पेय पिलाकर गर्मी से राहत प्रदान की गई। रोहत डागर ने बताया कि हरियाणा में ज्येष्ठ माह की एकादशी तिथि पर राहगीरों को मीठा पेय पिलाने की वर्षों पुरानी परंपरा है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने परसवाडा में भी इस आयोजन को मनाया। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के मौसम में लोगों की सेवा करना और उन्हें राहत पहुंचाना इस परंपरा का मुख्य उद्देश्य है। रविवार को आयोजित इस कार्यक्रम में रोहत डागर और उनके साथियों ने मुख्य मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों, वाहन चालकों तथा स्थानीय नागरिकों को मीठा और शीतल पेय वितरित किया। चिलचिलाती धूप और गर्म हवाओं के बीच शीतल पेय पाकर लोगों के चेहरों पर संतोष दिखाई दिया।

निर्माणाधीन सड़क का निरीक्षण कर जायसवाल ने दिये आवश्यक दिशा निर्देश

वारा ओव्हर ब्रिज की शेष राशि से बन रही पक्की सड़क के निर्माण कार्य में पूर्व मंत्री ने जबरदस्त इच्छाशक्ति का कराया परिचय

नवभारत, वारासिवनी। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के विशेष प्रयासो से स्वीक्रत शिवधाम मार्ग की बायपास सडक का निर्माण कार्य तेज गति से शुरू है। आज दोपहर समय मे 11 सौ मीटर लागत लगभग 65 लाख रूपये से निर्माणाधीन इस सडक का निरिक्षण कर पूर्व मंत्री ने निर्माण एंजेसी को गुणवत्ता सहित अनेको आवश्यक निर्देश प्रदान किये है। साथ ही आवागमन क्रांति 26 के प्रथम चेप्टर के पूर्ण होने की जानकारी देकर ग्रामीणो को हर्षित कर दिया।

नगर मे बायपास शिवधाम मार्ग सडक के निर्माण के लिये पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने अपनी इच्छाशक्ति का जबरदस्त परिचय कराया है। दो साल पूर्व जब वारा रेल्वे क्रांसिग पर ओव्हर ब्रिज निर्माण का कार्य शुरू हुआ था। तभी उन्होने तात्कालिन समय मे गायत्री मंदिर के सामने से वारा तक बायपास की पक्की सडक का निर्माण कार्य व नहर पर दो बडे पूलो का निर्माण कार्य पूर्ण करा दिया था। वारा ओव्हर ब्रिज के निर्माण के समय ही उन्होने बायपास शिवधाम मार्ग पर पक्की सडक के निर्माण का वादा किया था। किंतू विधानसभा चुनाव के परिणाम विपरित आने के कारण यह कार्य लंबे समय से अधूरा ही रह गया था।

दूसरी ओर वारा फलाई ओवर के निर्माण कार्य के शुरू होते ही इस सडक शिवधाम मार्ग बायपास पर बढते आवागमन के कारण यह मार्ग पूर्णतह क्षतिग्रस्त हो गया था। साथ ही धूल के गूबार व अत्यधिक आवागमन से परेशान शिवधामवासीयो ने अनेको आंदोलन कर अपनी परेशानी दूर करने की प्रशासन से गुहार भी लगायी थी। पिछले माह उग्र व तेज आंदोलन के समय गुडडा भैया भी स्थल पर पहुचे थे।

जंहा से उन्होने तत्काल अधीक्षण यंत्री सेतू लोक निर्माण विभाग को निर्देश व पत्र प्रदान कर वारा फलाई ओवर से संबधित शिवधाम मार्ग बायपास को वारा फलाई ओवर की बची शेष राशी से ही निर्माण कार्य कराने के 8 जनवरी 26 को निर्देश दिये थे। इस प्रस्ताव को ब्रिज विभाग लोक निर्माण विभाग के चीफ इंजीनियर भोपाल की स्वीक्रती भी प्रदान हो गयी थी। रिवाईस टीएस प्रथक से कराने के बाद इस स्वीक्रती के बाद अब तेज गति से निर्माण कार्य को शुरू करा दिया गया है।

आज निरिक्षण के समय गुडडा भैया ने प्रतिक्रिया मे कहा की हमने वारा रेल्वे ओवर ब्रिज, गायत्री मंदिर बायपास, नहर पर दो बडे पूलो के निर्माण के बाद शिवधाम बायपास का निर्माण कार्य शुरू करा कर अपने वादे को निभाने का कार्य किया है। निरिक्षण के दौरान 8 सौ मीटर सीसी सडक का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। शेष 3 सौ मीटर का कार्य चार से पांच दिनो मे पूर्ण कर लिया जायेगा। आवागमन क्रांति 26 के प्रथम चेप्टर के अब पूर्ण होने के बाद बालाघाट सहित अन्य मार्गो पर अब लगभग 30 साल तक बडते आवागमन के बाद भी किसी प्रकार की दिक्कत का सामना नही करना पडेगा।

राजा लिल्हारे यूट्यूबर की दबंगई से भयभीत सरपंच ने की प्रेस कांफ्रेंस

जनता के टैक्स के पैसों से निर्मित शासकीय संपत्ति को दबंगों ने किया क्षतिग्रस्त

नवभारत, खैरलांजी। जनपद पंचायत क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत भौरगढ़ के सरपंच देवेन्द्र बारेवार व उनके पंचायत सदस्यों द्वारा आज जनपद मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। जिसमें उनके द्वारा पंचायत में किए जा रहे विकास कार्यो में उन्हें कैसे डर-धमकाकर दबंगो द्वारा शासकीय कामों में बाधा डाली जा रही है उसी संदर्भ में उनके द्वारा प्रेस कान्फ्रेंस में अपनी व्यथा बताई गई ।उल्लेखनीय है कि ग्रामीणों की वर्षों पुरानी मांग पूरी करने के लिए ग्राम पंचायत भौरगढ़ ने बाजार चौक में सार्वजनिक उपयोग के लिए शौचालय का निर्माण कराया था,जिससे यात्रियों, व्यापारियों और विशेष रूप से महिलाओं को होने वाली परेशानियों से राहत मिल सके। लेकिन पंचायत का यह प्रयास उस समय विवादों में घिर गया, जब कुछ लोगों पर शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और पंचायत प्रतिनिधियों को धमकाने के आरोप लगे। मामले में खैरलांजी पुलिस ने पांच लोगों के विरुद्ध अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

रविवार को खैरलांजी में आयोजित प्रेस वार्ता में ग्राम पंचायत भौरगढ़ के सरपंच देवेंद्र बारेवार और पंचायत के पंचों ने उक्त पूरे मामले की जानकारी साझा की। सरपंच ने कहा कि ग्रामवासियों की लगातार मांग के बाद पंचायत ने प्रस्ताव पारित कर बाजार चौक में प्लास्टिक सेट का सार्वजनिक शौचालय और पेशाबघर बनवाया था। इसका उद्देश्य बस स्टैंड और बाजार क्षेत्र में आने-जाने वाले लोगों को मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराना था।

सरपंच देवेंद्र बारेवार ने आरोप लगाया कि गांव के ही कुछ लोगों ने शौचालय को क्षतिग्रस्त कर दिया। उन्होंने कहा कि जिस सुविधा के लिए ग्रामीण लंबे समय से मांग कर रहे थे, उसी को नुकसान पहुंचाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उनका कहना था कि पंचायत के प्रस्ताव पर बनाए गए सार्वजनिक शौचालय को तोड़ दिया गया और विरोध करने पर पंचायत प्रतिनिधियों तथा ग्रामीणों को जान से मारने की धमकी भी दी गई।

सरपंच के अनुसार 21 मई को इस संबंध में थाना खैरलांजी में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत में बताया गया कि 9 मई की शाम करीब पांच बजे ग्राम पंचायत द्वारा स्थापित प्लास्टिक के पेशाबघर और उसके सीमेंट-कांक्रीट ढांचे को तोड़कर ध्वस्त कर दिया गया। जिससे शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचा। जब पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने आरोपितों को रोकने का प्रयास किया तो उनके साथ सार्वजनिक रूप से गाली-गलौच की गई और जान से मारने की धमकी दी गई।

मामले की शिकायत पुलिस अधीक्षक और थाना प्रभारी तक पहुंचने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के उपरांत भौरगढ़ निवासी जितेन्द्र उर्फ राजा लिल्हारे सहित उनके साथियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 296(बी), 351(2), 324(2), 3(5) तथा लोक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम 1984 की धारा 3(1) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

प्रेस वार्ता के दौरान सरपंच और पंचों ने यह भी आरोप लगाया कि राजा लिल्हारे द्वारा पंचायत के विकास कार्यों को लेकर बार-बार शिकायतें कर प्रशासनिक कार्यों में बाधा उत्पन्न करने की कोशिश की जाती रही है। उनका कहना था कि राजा उर्फ जितेन्द्र लिल्हारे के खिलाफ पूर्व में भी विभिन्न मामलों में शिकायतें और अपराध दर्ज हुए हैं। आखिर यह व्यक्ति राजा लिल्हारे किसके संरक्षण में आए दिन असामाजिक घटनाओं को अंजाम देते रहता है। अगर जब भी कोई राजा लिल्हारे के खिलाफ बोलने की कोशिश करता है तो यह व्यक्ति राजा लिल्हारे अपने सोशल मीडिया अकाउंट के अनेक माध्यमो से अनर्गल बयानबाजी करते हुए उनकी छवि धूमिल करने का काम करता है। जिसको लेकर हमेशा क्षेत्र सहित समाज में विवाद की स्थिति बनी हुई रहती है। पंचायत प्रतिनिधियों ने पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा से मांग की है कि ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए न्यायोचित कार्रवाई की मांग की है। ताकि सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने और ग्रामीणों में भय का माहौल बनाने जैसी घटनाओं पर रोक लग सके।

कटंगी में पेयजल संकट गहराया, कुएं और तालाब भी सूखे

शासन से दो करोड़ रुपए स्वीकृत, लेकिन तालाब का जीर्णोद्धार आज तक नहीं किया गया

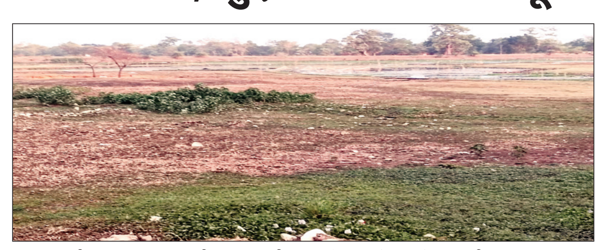

नवभारत कटंगी 31 मई। कटंगी शहर में पेयजल आपूर्ति ठप होने से जल संकट ने विकराल रूप ले लिया है। जल स्रोत सूख चुके हैं और नल-जल व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। नगर परिषद द्वारा टैंकरों से की जा रही पानी की सप्लाई भी नागरिकों की प्यास बुझाने में नाकाफी साबित हो रही है।

कटंगी का बड़ा तालाब पूरी तरह सूख चुका है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इस तालाब का गहरीकरण करवाया जाए तो भूजल स्तर बढ़ सकता है और जल संकट से काफी हद तक राहत मिल सकती है। विदित हो कि भूतपूर्व विधायक केडी देशमुख के प्रयास से तालाब के गहरीकरण के लिए शासन से दो करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए थे। इसमें से एक करोड़ रुपए नगर परिषद को प्राप्त भी हो चुके हैं। पूर्व अध्यक्ष सुनील जैन के कार्यकाल में इसका डीपीआर भी बनाया गया था, किंतु तालाब का जीर्णोद्धार आज तक नहीं किया गया।

विधायक ने किए थे बड़े-बड़े वादे

वर्तमान विधायक गौरव पारधी ने तालाब सौंदर्यीकरण को लेकर बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन वे भी हवा-हवाई ही साबित हुए। लंबा समय बीतने के बाद भी तालाब का गहरीकरण नहीं किया गया। नगर परिषद मात्र अधूरी साफ-सफाई तक ही सीमित रह गई है। कटंगी के दोनों तालाब सूख चुके हैं और उनमें कचरे-गंदगी का अंबार लगा हुआ है। प्रति वर्ष बड़े तालाब की सफाई के नाम पर मात्र औपचारिकता ही बरती गई है।

नागरिकों में आक्रोश, सार्थक प्रयास नहीं

नागरिकों का कहना है कि नगर परिषद पेयजल आपूर्ति के लिए कोई सार्थक प्रयास नहीं कर रही है। शहर के बोरवेल, हैंडपंप और कुएं भी सूख गए हैं। सुबह एक घंटे मिलने वाला पानी भी कई वार्डों में बंद हो गया है। नागरिकों का आरोप है कि यदि समय रहते तालाब का गहरीकरण हो जाता तो जल स्रोत बढ़ता और पानी की समस्या से काफी हद तक निजात मिल सकती थी।

तत्काल गहरीकरण की मांग

शहर के नागरिकों ने नगर परिषद से बड़े तालाब का तत्काल गहरीकरण कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि भीषण गर्मी में पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। प्रशासन को वैकल्पिक व्यवस्था के साथ-साथ दीर्घकालिक योजना पर भी काम करना चाहिए।

इनका कहना है

नगर परिषद द्वारा तालाब पर ध्यान नहीं दिया गया। यदि तालाब का गहरीकरण होता तो जल स्रोत बढ़ते और आज जनता पानी के लिए परेशान नहीं होती।

कपिल मेश्राम, पार्षद कटंगी